

**पाशा** पुं. (तुर्की.) तुर्किस्तान में बड़े-बड़े अधिकारियों और सरदारों को दी जाने वाली उपाधि।

**पाशिक** पुं. (तत्.) चिड़ीमार, बहेलिया।

**पाशित** वि. (तत्.) पाश में बंधा हुआ।

**पाशी** वि. (तत्.) 1. पाश या फंदा रखने वाला, पाश वाला पुं. (तत्.) 1. वरुण देवता 2. यमराज 3. बहेलिया 4. न्यायालय के निर्णय पर अपराधियों के गले में फंदा या फांसी लगाकर प्राणदंड देने वाला व्यक्ति।

**पाशुपत** वि. (तत्.) पशुपति संबंधी, पशुपति अथवा शिवका पुं. (तत्.) पशुपति अथवा शिव के उपासक, शिव-भक्त 2. एक धर्म-संप्रदाय विशेष 3. अथर्ववेद का एक उपनिषद् टि. बड़ी मौलसिरी (मौलश्री) के पेड़ को भी पाशुपत कहा जाता है।

**पाशुपत-दर्शन** पुं. (तत्.) एक प्रकार का शैव-दर्शन जिसमें जीवों को पशु और शिव को उनका स्वामी अर्थात् 'पशुपति' माना गया है।

**पाशुपत रस** पुं. (तत्.) वैद्यक में एक प्रकार का रसौषध।

**पाशुपतास्त्र** पुं. (तत्.) [पाशुपत+अस्त्र] शिव का एक विशेष प्रभावी अस्त्र जिसे अर्जुन ने तपस्या करके शिव से प्राप्त किया था।

**पाशुपाल्य** पुं. (तत्.) पशुपालन।

**पाशुबंधक** पुं. (तत्.) यज्ञ में वह स्थान जहाँ बलि-पशु बांधा जाता है।

**पाश्चात्य** वि. (तत्.) 1. पश्चिम दिशा का, पश्चिमी 2. पश्चिम का रहने वाला 3. पीछे का, पिछला 4. पश्चिमी देशों से संबंधित 5. यूरोप के देशों का जैसे- पाश्चात्य दर्शन, पाश्चात्य साहित्य विलो. पौर्वात्य/पौरस्त्य।

**पाश्चात्यीकरण** पुं. (तत्.) किसी देश या जाति को पाश्चात्य सभ्यता के सांचे में ढालना अथवा उसे पाश्चात्य ढंग का बनाना।

**पाषंड** पुं. (तत्.) 1. धार्मिकता का आडंबर, ढोंग 2. वे सब आचरण और कार्य जो वैदिक धर्म या

रीति से न हों, वेद-विरुद्ध आचरण 3. नास्तिकता 4. माया, छलना।

**पाषंडी** पुं. (तत्.) 1. धार्मिकता का आडंबर करने वाला व्यक्ति, ढोंगी, दंभी 2. जो वेदों के विरुद्ध चलता हो, वेद-विरुद्ध आचरण वाला व्यक्ति 3. नास्तिक 4. छली, मायावी।

**पाषाण** पुं. (तत्.) 1. पत्थर, शिला, प्रस्तर 2. नीलम, पन्ने आदि रत्नों का एक दोष 3. गंधक।

**पाषाण-गर्दभ** पुं. (तत्.) दाढ़ में सूजन होने का एक रोग विशेष।

**पाषाण-चतुर्दशी** स्त्री. (तत्.) मार्गशीर्ष मास की शुक्ल चतुर्दशी।

**पाषाण-दारण** पुं. (तत्.) 1. पत्थर तोड़ने अथवा काटने का कार्य 2. संगतराश की छेनी।

**पाषाण पीठ** पुं. (तत्.) पत्थर की बनी चौकी जिस पर मूर्ति आदि स्थापित हो।

**पाषाण-भेद** पुं. (तत्.) एक प्रकार का क्षुपजातीय पौधा जो अपनी पत्तियों की सुंदरता के लिए जाना जाता है, पाखान भेद, पत्थर-चूर।

**पाषाण भेदक** पुं. (तत्.) पत्थर तोड़ने/काटने वाला।

**पाषाणभेदी** पुं. (तत्.) पत्थर तोड़ने/काटने वाला।

**पाषाण-मणि** पुं. (तत्.) सूर्यकांत मणि।

**पाषाण रोग** पुं. (तत्.) अश्मरी अथवा पथरी नामक रोग।

**पाषाण संस्कृति** स्त्री. (तत्.) प्रागैतिहासिक संस्कृति जिसमें मनुष्य ने पत्थर के उपकरण और उनका प्रयोग करना आरंभ किया।

**पाषाण हृदय** वि. (तत्.) जिसका हृदय पत्थर की तरह कठोर हो, निष्ठुर निर्दयी, क्रूर।

**पाषाणी** स्त्री. (तत्.) पत्थर के समान हृदय वाली, निष्ठुर, कठोर, निर्दयी क्रूर स्त्री।

**पाषाणीकरण** पुं. (तत्.) पत्थर बन जाना या बना देना, अश्मीकरण।